फॉर्म में लौटे सूर्यकुमार, T20 रैंकिंग में लंबी छलांग
Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

6 साल की मासूम के साथ हुए रेप पर भूमि पेडनेकर भड़कीं
Page-05

राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की बुधवार सुबह बारामती में लैंडिंग से पहले उनका प्लेन क्रैश होने से मौत हो गई। प्लेन में पवार और उनके सुरक्षा कर्मचारियों समेत छह लोग सवार थे।

नहीं रहे अजित पवार

- **अजित पवार के निधन से देश में शोक की लहर**
- **राजनीतिक और सामाजिक जगत में गहरी स्तब्धता**

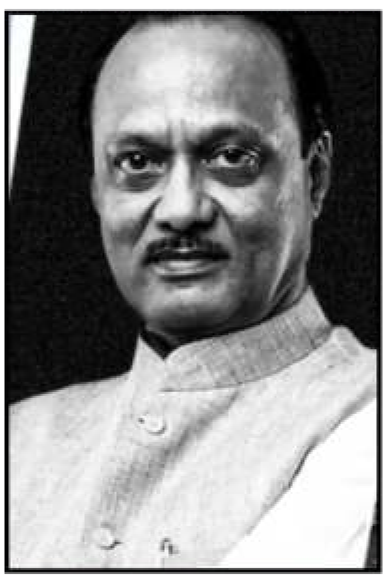

महाराष्ट्र के लिए आज का दिन बेहद दुखद और स्तब्ध कर देने वाला है. राज्य के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी (NCP) के कद्दावर नेता अजित पवार का उनके ही गृह क्षेत्र बारामती में एक भीषण विमान हादसे में निधन हो गया है. 28 जनवरी 2026 की सुबह आई इस खबर ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया है. वह आज सुबह मुंबई से एक निजी चार्टर्ड विमान (Learjet 45) के जरिए बारामती पहुंचने वाले थे जहां उन्हें जिला परिषद चुनावों के मद्देनजर एक विशाल जनसभा को संबोधित करना था. लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था.

कैसे क्रैश हुआ विमान (Ajit Pawar Plane Crash) सुबह करीब 8:45 बजे, जैसे ही उनका विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की प्रक्रिया में था, वह रनवे से फिसल गया और उसमें जोरदार विस्फोट के साथ आग लग गई. प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, फायर ब्रिगेड के पहुंचने तक विमान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था. इस हादसे में अजित पवार के साथ-साथ विमान में सवार 5 अन्य लोगों की भी जलने से दर्दनाक मौत हो गई है. मृतकों में विमान के दो पायलट (कैप्टन और को-पायलट), अजित पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी (PSO) और दो निजी सहायक शामिल हैं.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई मंत्री बारामती पहुंचे हैं. वे विद्या प्रतिष्ठान मैदान में अजित पवार के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और अंतिम दर्शन करेंगे. अजित पवार की याद में बारामती में एक स्मारक का निर्माण किया जाएगा. उनका अंतिम संस्कार कल सुबह उनके पैतृक गांव काटेवाड़ी, बारामती में किया जाएगा. आज शाम से उनके पार्थिव शरीर को विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में रखा जाएगा ताकि आम जनता उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे. NCP नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ले जा रहा एक विमान बारामती में हादसे का शिकार हो गया. इस हादसे में अजित पवार सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गई है. बुधवार सुबह महाराष्ट्र के बारामती में लैंड के वक्त प्लेन क्रैश हो गया. अजित पवार चुनाव प्रचार के लिए बारामती जा रहे थे. अभी तक यहा साफ नहीं हो पाया है कि विमान ने क्रैश लैंडिंग की या कोई तकनीकी खराबी चलते ये हादसा हुआ है. घटना के बाद प्राइवेट चार्टर विमान पूरी तरह से जल गया है.

हादसे की वजह क्या? AAIB ने शुरू की जांच, Baramati से दस्तावेज जब्त

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बुधवार को बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत अजित पवार को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। अजित पवार का आज सुबह बारामती में एक चार्टर विमान की दुर्घटनाग्रस्त लैंडिंग में निधन हो गया। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत भी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे और राज्य मंत्री हसन मुश्रीफ भी दिवंगत उपमुख्यमंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए बारामती स्थित विद्या प्रतिष्ठान पहुंचे।

इस बीच, दुर्घटना की जांच के तहत, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के अधिकारी वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में मौजूद थे, जो उस चार्टर विमान का संचालन करती है।

एएआईबी की टीम को दस्तावेजों के बक्से वाहनों में रखते हुए देखा गया। अपने पति अजित पवार के चार्टर विमान दुर्घटना में असमय निधन के बाद, जिसमें चार अन्य लोगों की भी जान चली गई, सुनित्रा पवार पवार परिवार के सदस्यों से मुलाकात के दौरान भावुक हो गईं।

राजनीतिक उत्तराधिकार: कौन संभालेगा अजित पवार की जगह?

महाराष्ट्र की राजनीति आज सुबह एक भयानक सदमे से हिल गई जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का चार्टर्ड विमान बारामती जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग की लपटों में समा गया। जिला परिषद चुनाव के लिए रैली में शामिल होने जा रहे अजित पवार की मौके पर ही मृत्यु हो गई। अब सवाल यह है कि अजित पवार की राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा? सवाल यह भी है कि अजित पवार के निधन के बाद क्या अब उनकी पार्टी और उनके विधायक एकजुट रह पाएंगे? हम आपको बता दें कि अजित पवार अपने पीछे पत्नी सुनेत्रा पवार, जो राज्यसभा सांसद हैं और दो पुत्र पार्थ व जय को छोड़ गए हैं। सुनेत्रा पवार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में बारामती से चुनाव लड़ा था, जहां उनका मुकाबला अपनी ननद सुप्रिया सुले से हुआ था। यह मुकाबला इसलिए भी राष्ट्रीय चर्चा में रहा क्योंकि यह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन और पवार परिवार की अंदरूनी दरार के तुरंत बाद हुआ था। जीत सुप्रिया सुले की हुई थी और बाद में राज्यसभा चुनाव जीत कर सुनेत्रा पवार भी संसद पहुँचीं। भले सुनेत्रा अजित पवार की स्वाभाविक राजनीतिक उत्तराधिकारी मानी जा रही हों लेकिन चुनावी राजनीति का अनुभव उनका बेहद कम है।

राजनीति में विमान दुर्घटनाओं का कड़वा सच

संजय गांधी से विजय रूपाणी तक: हवाई हादसों ने छीने बड़े नेता

भारत के राजनीतिक इतिहास में कई ऐसे क्षण आए हैं जब हवाई हादसों ने बड़े नेताओं को हमसे छीन लिया. कभी विमान क्रैश तो कभी हेलीकॉप्टर दुर्घटना, इन घटनाओं ने न केवल परिवारों और समर्थकों को गहरे शोक में डाला बल्कि देश की राजनीति को भी अस्थिर कर दिया. संजय गांधी से लेकर विजय रूपाणी तक कई नाम इन दुखद हादसों से जुड़े हैं.

बलवंतराय मेहता की मौत

1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री बलवंतराय मेहता का विमान पाकिस्तान की वायुसेना ने मार गिराया. यह घटना उस दौर की सबसे दर्दनाक राजनीतिक घटनाओं में गिनी जाती है और पूरे देश को हिला गई थी.

संजय गांधी की असमय मौत

1980 में भारतीय राजनीति को गहरा झटका लगा जब संजय गांधी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. युवा उम्र में उनकी मौत ने कांग्रेस पार्टी में बड़ा खालीपन पैदा कर दिया और देशभर में शोक की लहर दौड़ गई.

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री गुरनाम सिंह

1973 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री गुरनाम सिंह की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई. उनकी मौत ने राज्य की राजनीति में अचानक बदलाव ला दिया और लोगों को गहरे दुख में डाल दिया.

माधवराव सिंधिया का हादसा

2001 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माधवराव सिंधिया एक छोटे विमान से यात्रा कर रहे थे, जो दुर्घटनाग्रस्त हो गया. उनकी असामयिक मौत ने राष्ट्रीय राजनीति में बड़ा खालीपन छोड़ दिया और उनके समर्थकों को गहरा सदमा पहुंचाया.

लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी

2002 में उस समय के लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी हेलीकॉप्टर क्रैश में जान गंवा बैठे. यह हादसा बेहद चौंकाने वाला था क्योंकि देश ने अपने संसदीय नेतृत्व को अचानक खो दिया.

ओपी जिंदल और सुरेंद्र सिंह

2005 में उद्योगपति और हरियाणा के नेता ओपी जिंदल तथा पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए. इस घटना ने हरियाणा की राजनीति और उद्योग जगत दोनों को गहरा आघात दिया.

वाईएस राजशेखर रेड्डी

2009 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हुआ. उनकी मौत ने राज्य की राजनीति को अस्थिर कर दिया और लाखों समर्थकों को शोक में डाल दिया.

अरुणाचल के मुख्यमंत्री दोरजी खांडू

2011 में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री दोरजी खांडू हेलीकॉप्टर क्रैश में मारे गए. इस घटना ने उत्तर-पूर्वी भारत की राजनीति को हिला दिया और राज्य में नेतृत्व संकट पैदा कर दिया.

विजय रूपाणी

2025 में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई. इस खबर ने राज्य की राजनीति को गहरे सदमे में डाल दिया और उनके समर्थकों को निराश कर दिया.

अजित पवार का विमान क्रैश: चश्मदीदों की गवाही से खुली घटना की झलक

जांच टीम ने डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से क्रू और विमान से जुड़े डॉक्यूमेंट्स भी मांगे हैं। आगे के एनालिसिस के लिए रडार डेटा की रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज, एटीसी टेप रिकॉर्डिंग और हॉटलाइन कम्युनिकेशन हासिल किए जाएंगे। जांच टीम गवाहों और संबंधित कर्मचारियों के बयान रिकॉर्ड करेगी। अजित पवार की आज सुबह मुंबई से बारामती जाते समय एक चार्टर प्लेन क्रैश में मौत हो गई। वह 27 जनवरी को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट कमेटी ऑन इंफ्रास्ट्रक्चर की बैठक में हिस्सा लिया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद राज्य में एक दिन की छुट्टी और तीन दिन के शोक की घोषणा की है।मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पवार के अंतिम संस्कार का फैसला उनके परिवार से सलाह लेने के बाद किया जाएगा।

NCC रैली में 'Operation Sindoor' का जिक्र

पीएम मोदी ने नई चुनौतियों पर जोर दिया

एनसीसी पीएम रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने 'विकसित भारत' के लिए नागरिक कर्तव्यों के महत्व पर जोर दिया और युवाओं को अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आधुनिक युद्धों का संदर्भ देते हुए कहा कि तकनीक में आत्मनिर्भरता देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के करियाप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली में शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उपस्थित थे। एनसीसी पीएम रैली के साथ ही माहभर चलने वाले एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का समापन हुआ, जिसमें देशभर से 2,406 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया, जिनमें 898 महिला कैडेट भी शामिल थीं। मोदी ने इस दौरान कहा कि NCC एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि NCC एक ऐसा संगठन है, एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा-शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है, अनुशासित बनाता है, संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। इस बार भी यहां बहुत बड़ी संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। बीते वर्षों में NCC कैडेट्स की संख्या 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने याद किया कि मैंने लाल किले से कहा था- यही समय है, सही समय है। हमारे देश के युवाओं के लिए आज का ये समय सबसे ज्यादा अवसरों का समय है। सरकार का प्रयास है कि इस कालखंड का अधिक से अधिक लाभ हमारे युवाओं को मिले। आज पूरी दुनिया युवा भारत के युवाओं की तरफ बहुत भरोसे से देख रही है और दुनिया के इस भरोसे का कारण है- स्किल और संस्कार। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ जिस समझौते पर सहमति बनी है... दुनिया उसकी, सभी सौदों की जननी के रूप में प्रशंसा कर रही है। दुनिया के लिए एक गेम-चेंजर डील बताई जा रही है। यह एफटीए आपके लिए प्रेरणा देने की आजादी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लड़ाई कई मोर्चों पर लड़ी जाती है। आज की लड़ाई कोड में भी होती है, cloud में भी होती है। जो देश तकनीक में पीछे है... वह अर्थव्यवस्था में ही नहीं, सुरक्षा में भी कमजोर होते हैं।

व्हाइट हाउस का बड़ा ऐलान: 'Board of Peace' में 20 और देश शामिल

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि 20 और देशों ने "अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया है", हालांकि उन्होंने नए प्रतिभागियों के नाम नहीं बताए। उन्होंने कहा कि शांति बोर्ड, जिसे मूल रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अगले दो वर्षों के लिए गाजा के प्रबंधन की देखरेख करने का दायित्व दिया गया था, अब ट्रम्प प्रशासन द्वारा दुनिया के अन्य हिस्सों में संघर्षों को संबोधित करने के लिए तैयार किया जा रहा है। इस पहल को पश्चिमी देशों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इन्होंने स्वीकार किया कि इस पहल को कुछ पश्चिमी देशों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जो इस बात से असहज हैं कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करने का प्रयास कर रहा है। अपने शुरुआती भाषण में ट्रंप ने कहा कि ठीक एक साल पहले दुनिया सचमुच आग की लपटों में घिरी हुई थी, बहुत से लोग यह नहीं जानते थे," लेकिन उन्होंने दावा किया कि "कई अच्छी चीजें हो रही हैं" और वैश्विक खतरे "वास्तव में कम हो रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन आठ युद्धों का निपटारा कर रहा है और उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन में रूस के युद्ध को समाप्त करने की दिशा में "काफी प्रगति" हुई है।

77 वें गणतंत्र दिवस पर लखनऊ में भव्य आयोजन, परेड झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण: पारंपरिक ज्यादा, आमजन के लिए कम

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संसद में दिया गया अभिभाषण ज़्यादा पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा। मायावती ने कहा कि सरकार को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति और आर्थिक चुनौतियों के मुद्दों पर लोगों का ज़्यादा भरोसा जीतने की ज़रूरत है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि बजट सत्र की शुरुआत संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन से हुई, लेकिन भाषण से देश की गंभीर समस्याओं के शीघ्र समाधान या इसे वास्तविक आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ता से ले जाने की कोई नई उम्मीद नहीं जगी। वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा अमेरिका फर्स्ट नीति अपनाने के कारण दुनिया में व्यापक उथल-पुथल देखी जा रही है, और इस घटनाक्रम से भारत का प्रभावित होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, समाधान के रूप में निजी क्षेत्र पर सरकार की अत्यधिक निर्भरता से लोगों में चिंता और आशंकाएं पैदा होती हैं कि भारतीय संदर्भ में यह दृष्टिकोण कितना प्रभावी होगा।

बसपा प्रमुख ने कहा कि जहां सरकार संसद के अंदर और बाहर अपने राजनीतिक विरोधियों को आक्रामक रूप से निशाना बनाती है, वहीं जनता को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति सहित देश और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार से उतनी ही प्रखरता की अपेक्षा है, ताकि जन-आत्मविश्वास मज़बूत हो सके। बसपा नेता ने कहा, इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ-साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिए।

हाईकोर्ट ने आतंक वित्तपोषण मामले में इंजीनियर रशीद की याचिका खारिज की

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेल में बंद जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लोकसभा सदस्य शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आतंक के वित्तपोषण मामले में उनके खिलाफ आरोप तय किए जाने को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश के खिलाफ रशीद की अपील सुनवाई योग्य नहीं है। पीठ ने कहा, "यह अपील सुनवाई योग्य नहीं है और इसे खारिज किया जाता है।"

आतंक के वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद रशीद 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं। बारामूला के सांसद रशीद ने 2024 के लोकसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला को हराया था। वह जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकी समूहों को वित्तीय सहायता देने के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। एनआईए की प्राथमिकी के अनुसार, व्यवसायी और सह-आरोपी जहूर वटाली से पूछताछ के दौरान रशीद का नाम सामने आया। अक्टूबर 2019 में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद, मार्च 2022 में एक विशेष एनआईए अदालत ने रशीद और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), धारा 121 (सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना) और धारा 124ए (राजद्रोह) के और यूएपीए के तहत आतंकवादी कृत्यों और आतंक के वित्तपोषण से संबंधित अपराधों के लिए आरोप तय किए।

एक ऐतिहासिक यात्रा का समापन: यूरोपीय अध्यक्ष भारत से रवाना

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत की अपनी ऐतिहासिक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा का समापन किया। इस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से 13 महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिनमें भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी के तहत एक रक्षा समझौता शामिल है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि कोस्टा बुधवार को यात्रा के बाद रवाना हो गए, जबकि वॉन डेर लेयेन कल रवाना हुईं। विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा को अत्यंत सफल बताते हुए दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से हुए 13 महत्वपूर्ण समझौतों" का उल्लेख किया। पोस्ट में आगे लिखा गया कि एक ऐतिहासिक यात्रा संपन्न हुई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा एक बेहद सफल यात्रा के बाद रवाना हो गए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन कल शाम रवाना हुईं। इस यात्रा के परिणामस्वरूप 13 महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकले हैं जो

भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी की गहराई और व्यापकता को बढ़ाएंगे। मंत्रालय ने आगे कहा कि इन निष्कर्षों से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच बढ़ेगी। इसमें आगे कहा गया, "ये निष्कर्ष हमारी वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाएंगे, अधिक रोजगार और अवसर पैदा करेंगे और हमारे लोगों की प्रगति में सहयोग देंगे। भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए अपनी बातचीत पूरी करके एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे "सभी समझौतों की जननी" कहा जा रहा है।

संपादक की कलम से

भारतीय समाज में जाति व्यवस्था एक जटिल और लंबे समय से चली आ रही सामाजिक संरचना है। यह केवल सामाजिक पहचान का माध्यम नहीं रही, बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में भी गहरी पैठ बना चुकी है। इस परंपरा को बदलना आसान नहीं है, क्योंकि यह न केवल सामाजिक आदतों में बसा हुआ है, बल्कि लोगों के सोचने और व्यवहार करने के ढांचे का हिस्सा भी बन चुका है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत इस मानसिकता को बदलने में सक्षम हो सकते हैं।मोहन भागवत लंबे समय से भारतीय समाज में एकता और संस्कृति के संदेशवाहक रहे हैं। उनके विचार में, हिंदू समाज की शक्ति उसके सामूहिक बंधन और सांस्कृतिक एकरूपता में निहित है। संघ प्रमुख अक्सर जाति से ऊपर उठकर धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की व्यापक अवधारणा की बात करते हैं। उनका मानना है कि जातिवाद भारतीय समाज को कमजोर करता है और देश के विकास में बाधा बनता है। उन्होंने समय-समय पर युवाओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता को जाति आधारित भेदभाव को छोड़ने और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया है।हालांकि, जातीय मानसिकता केवल शिक्षित या जागरूक समुदायों में ही नहीं, बल्कि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में भी गहराई से जमी हुई है। यह मानसिकता कई पीढ़ियों से चली आ रही है और इसे बदलने के लिए केवल भाषण और कार्यक्रम पर्याप्त नहीं हैं। बदलाव के लिए समाज में ठोस कदम, शिक्षा, रोजगार में समान अवसर, और सामाजिक चेतना का निर्माण आवश्यक है। मोहन भागवत और संघ इसके लिए कई तरह के कार्यक्रम चला रहे हैं, जैसे कि राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक प्रशिक्षण शिविर और युवाओं को एकीकृत करने वाले आयोजन। ये पहल जाति की दीवारों को तोड़ने का प्रयास करती हैं, लेकिन उनका प्रभाव तत्काल नहीं दिखाई देता। अंततः, सवाल यह है कि क्या मोहन भागवत हिंदुओं की जातीय मानसिकता को पूरी तरह बदल पाएंगे। इसका उत्तर जटिल है। यह केवल एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि पूरे समाज, शिक्षा प्रणाली, राजनीति और परिवारिक संरचनाओं में बदलाव के साथ ही संभव हो सकता है। मोहन भागवत केवल दिशा दिखा सकते हैं, मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं और समाज को जागरूक कर सकते हैं। वास्तविक परिवर्तन समाज के भीतर गहरे स्तर पर होने वाले प्रयासों, पीढ़ियों के साथ निरंतर संवाद और समान अवसरों के निर्माण से ही आएगा।इस प्रकार, मोहन भागवत की भूमिका निर्णायक और प्रेरणादायक हो सकती है, लेकिन जातीय मानसिकता को पूरी तरह बदलना समय, समाज और सामूहिक प्रयास का परिणाम होगा।

नोएडा हादसा: प्रशासनिक सुधार की मांग तेज

हादसे से उठे सुरक्षा और प्रशासनिक खामियों के मुद्दे

क्या जिम्मेदार अधिकारी लेंगे सबक?युवाओं की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता

नोएडा के युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने देश के सिस्टम में व्याप्त लापरवाही पूर्ण सोच व खामियों की एकबार फिर से पोल खोलने का कार्य कर दिया है। दुर्घटना के बाद किसी के घर का चिराग सिस्टम की लापरवाही से पूरी वीरता से लड़ते हुए कुंभकर्णी नींद में सो रहे सिस्टम को जगाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही उत्तर प्रदेश के सिस्टम में हड़कंप मचा हुआ है, जिसके चलते ही तत्काल नोएडा प्राधिकरण ने इस घटना की जांच कराने की घोषणा कर दी थी और प्रारंभिक जांच के आधार पर अपनी गाज गिराते हुए एक इंजीनियर की नौकरी से समाप्ति तक की कार्रवाई कर दी, वहीं युवराज के पिता ने भी एफआईआर दर्ज करवाई है, और नोएडा प्रशासन ने भी दो लापरवाह बिल्डरों के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज करवाई है, जिस पर पुलिस जांच करके आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं इस दुखद घटना का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करते पांच दिन में जांच रिपोर्ट तलब करने आदेश दिए हैं, एसआईटी के गठन के तुरंत बाद ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. (आईएएस) को हटा कर प्रतिक्षा सूची में रख दिया गया है। लेकिन इस घटना के बाद लगता है कि ऐसी भयंकर लापरवाही वाली स्थिति में क्या कभी भारत को विश्वगुरु बनाया जा सकता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि भारत को विश्वगुरु बनाने के सपना को धरातल पर साकार होते हुए देखना हर देशभक्त भारतीय का अपना सपना है। लेकिन देश के सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों का लापरवाही पूर्ण व भ्रष्टाचार युक्त आचरण इस में सबसे बड़ा बाधक है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह सपना धरातल पर कैसे मूर्तरूप लेगा, यह एक बड़ा सवाल हर देशभक्त भारतीय के जहन में अक्सर घूमता रहता है। नोएडा में सिस्टम में बैठे कुछ लोगों की लापरवाही का एक उदाहरण शुक्रवार की रात नोएडा में हुई एक कार दुर्घटना के बाद देखने को मिला, जिस तरह से नोएडा में दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाली दर्दनाक घटना घटित हुई, उसने दुनिया में हमें उपहास का पात्र बना दिया है, क्योंकि देश एक तरफ़ तो चंद्रमा व मंगल तक अंतरिक्ष की ऊंचाई को छूने का कार्य कर रहा है, वहीं सागर की गहराइयों को चीरते हुए तल तक जा रहा है, लेकिन सिस्टम को बचाव का पूरा समय मिलने के बावजूद भी सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों की अनिर्णय की स्थिति या लापरवाही के चलते देश के भविष्य 27 वर्षीय युवा इंजीनियर को जमीन पर भी नहीं बचा पा रहा है, जो ठीक नहीं है। यहां आपको बता दें कि इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12:05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही

> भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है।

स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी। जिसके बाद युवराज के पिता ने भी पुलिस को समय रहते हुए अवगत करा दिया था। सूत्रों के अनुसार 12.41 पर कंट्रोल रूम से कोतवाली प्रभारी के पास फोन आया था, जिसके चलते ही घटनास्थल पर कुछ समय के बाद ही 12.50 पर पुलिस फोर्स और दमकल कर्मी और 1.15 पर एसडीआरएफ की टीम पहुंच गयी थी। युवराज की जान बचाने के लिए सिस्टम ने प्रयास भी शुरू कर दिए थे, लेकिन अफसोस ना जाने क्यों वहां मौजूद सिस्टम विफल रहा और 1.45 पर बेसमेंट में भरे पानी में युवा इंजीनियर युवराज कार समेत डूब गया। 1.55 बजे गाजियाबाद से एनडीआरएफ टीम घटनास्थल पर पहुंची थी, लेकिन शायद जबतक युवराज को काल ने अपना ग्रास बना लिया था, जिसके बाद युवराज की तलाश शुरू हुई, 4.30 बजे युवराज के शरीर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद देशवासी हतप्रभ हैं कि इक्कीसवीं सदी के आधुनिक भारत में आखिर ऐसे कैसे काम चलेगा। मृतक के पिता के आरोप, मीडिया की रिपोर्ट व सूत्रों के अनुसार 27 वर्षीय युवा इंजीनियर युवराज ने कड़ाके की ठंड में जान बचाने की एक लंबी जद्दोजहद के दौरान डूबने से पहले कार की छत पर अपने पिता, सिस्टम के लोगों व अन्य लोगों के सामने लगभग 80-90 मिनट तक पूरे हौसले के साथ संघर्ष किया था। जबकि युवराज को बचाने के लिए पुलिस, दमकल विभाग और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) की टीमें समय रहते मौके पर मौजूद थी, लेकिन अफसोस तीनों विभाग की टीम भी मिलकर युवराज को नहीं बचा पायी। जिसके बाद से पिता व प्रत्यक्षदर्शियों के आरोप हैं कि कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों के अभाव और बचाव टीम के कड़ाके की ठंड के चलते उचित प्रयासों के अभाव के चलते ही युवा युवराज की जान बचाने में विफलता हाथ लगी है, जिसकी सत्यता का एसआईटी की जांच में जल्द ही खुलासा हो जायेगा। मुख्यमंत्री योगी के द्वारा गठित एसआईटी की जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस व प्रशासन के अन्य लोगों पर गाज गिरनी तय है। वहीं अफसोस घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस, दमकल व एसडीआरएफ के पास इस आपदा से निपटने के संसाधन कम पड़ गए थे, जिसके चलते देश का भविष्य एक 27 वर्षीय युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज जनमानस के जहन में अनेक सवाल छोड़ते हुए दुनिया को अलविदा कह गया, एक घर का चिराग संघर्ष करते हुए बुझ गया। लेकिन जिस तरह से इस पूरे मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया उससे लगता है कि इस मामले में अभी बहुत सारे लोगों पर गाज गिरनी तय है। हालांकि उससे अब युवराज तो वापस आना वाला नहीं है, लेकिन एक आम देशवासी के नाते हम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इस तरह की घटना से सिस्टम भविष्य में सबक अवश्य लें, ऐसी भयंकर लापरवाही देश में फिर कभी किसी के घर का चिराग ना बुझे, देश के हुक्मरान व सिस्टम पूरे देश में एक ऐसा आधुनिक संसाधनों युक्त कारगर सरकारी तंत्र अवश्य विकसित कर लें जो एक-एक जान की अहमियत अवश्य समझें।

कनाडा के प्रधानमंत्री की

स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाडा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी। स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

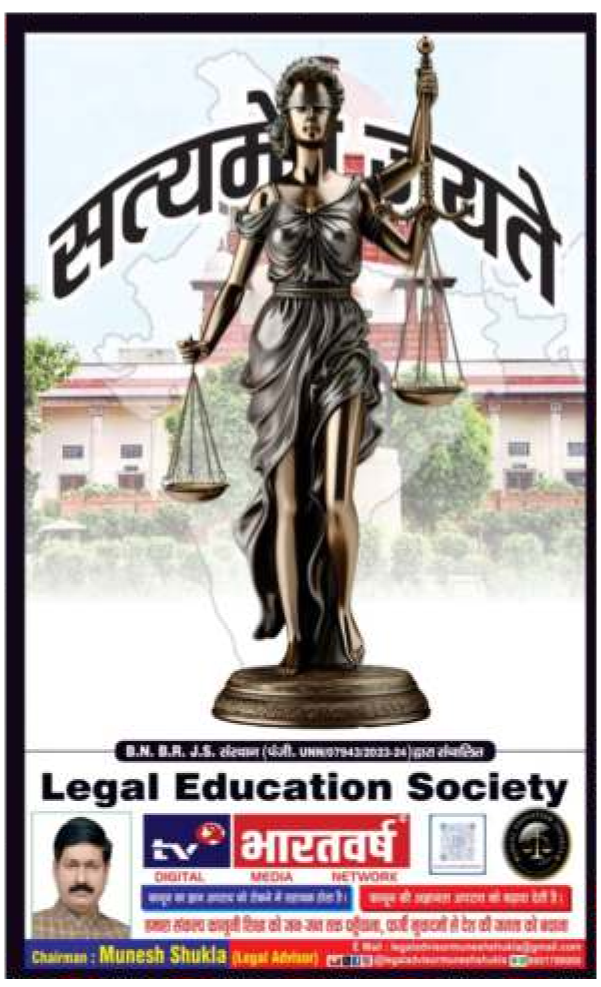

H-1B वीजा धारकों पर पड़ेगा सीधा असर

विदेशी वर्कफोर्स नीति में बड़ा बदलाव

H-1B Hiring Freeze: अमेरिका में अब H-1B वीजा पर जॉब का सपना देखने वाले लोगों के लिए राहें मुश्किल होने वाली हैं। इसे लेकर यहां की राज्य सरकारें लगातार कड़े कदम उठा रही हैं।

अमेरिका के टेक्सास राज्य में H-1B वीजा के जरिए होने वाली हायरिंग पर रोक लगा दी गई है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एब्बॉट ने राज्य की एजेंसियों और सरकारी यूनिवर्सिटीज को आदेश दिया कि वे H-1B वीजा के माध्यम से होने वाली नई भर्तियों पर रोक लगाएं। राज्य सरकार का ये फैसला उन विदेशी वर्कर्स के लिए बड़ा झटका है, जो यहां आकर जॉब करना चाहते थे। टेक्सास में H-1B वीजा से होने वाली हायरिंग सिर्फ सरकारी एजेंसी और यूनिवर्सिटी पर लागू होगी। इसका प्राइवेट सेक्टर पर कोई असर नहीं होगा। सरकारी एजेंसियों के प्रमुख भेजी गई चिट्ठी में गवर्नर ग्रेग एब्बॉट ने निर्देश दिया कि सभी को तुरंत H-1B वीजा याचिकाओं पर रोक देना चाहिए। उनका कहना है कि इस वीजा प्रोग्राम का दुरुपयोग किया जा रहा है। हायरिंग पर रोक 31 मई, 2027 तक लागू रहने वाली है। हालांकि, कुछ मामलों में विदेशी वर्कर्स को हायर करने की इजाजत दी जाएगी, लेकिन ऐसा करने से पहले टेक्सास वर्कफोर्स कमीशन से लिखित मंजूरी लेनी होगी।

गवर्नर ने क्या कहा है?

टेक्सास गवर्नर ने कहा कि वह इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिकी नौकरियां सिर्फ अमेरिकी लोगों को ही मिलें। उन्होंने अपने बयान में कहा, 'H-1B वीजा प्रोग्राम में हाल ही में सामने आए दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए और ये सुनिश्चित करने के लिए कि अमेरिकी नौकरियां सिर्फ अमेरिकी वर्कर्स को ही मिलें। मैं सभी राज्य एजेंसियों और यूनिवर्सिटीज को नए H-1B वीजा आवेदनों को तुरंत रोकने का निर्देश दे रहा हूं।' इसमें ये भी बताया गया कि अभी वीजा प्रोग्राम को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से समीक्षा भी चल रही है।

गवर्नर ने एजेंसियों और यूनिवर्सिटीज को 27 मार्च, 2026 तक एक डिटेल रिपोर्ट भी जमा करने को कहा है। इसमें उन्हें ये बताना होगा कि उन्होंने 2025 में कितने नए H-1B वीजा आवेदन दिए और कितने रिन्यू करवाए। साथ ही ये भी बताना होगा कि अभी कितने वीजा होल्डर्स काम कर रहे हैं, वे क्या काम करते हैं और वे किस देश से आते हैं। ग्रेग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'टेक्सास के टैक्सपेयर्स हमारे वर्कफोर्स को ट्रेनिंग देने के लिए अरबों डॉलर देते हैं, इसलिए जॉब्स भी यहीं के लोगों को मिलनी चाहिए।'

अमेरिका में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स, हेल्थकेयर, फाइनेंस, टेक जैसी फील्ड में स्किल विदेशी वर्कर्स को H-1B वीजा के जरिए नौकरी पर रखा जाता है। ये अमेरिका आकर इन फील्ड में स्पेशलाइज्ड काम करते हैं। हर साल 65 हजार H-1B वीजा जारी होते हैं, जिसमें से 20 हजार उन स्टूडेंट्स के लिए रिजर्व होते हैं, जिन्होंने अमेरिकी यूनिवर्सिटी से मास्टर्स या उससे ऊपर की पढ़ाई की है। आमतौर पर ये वीजा 3 साल के लिए मिलता है, जिसे 3 साल के लिए एक्सटेंड भी किया जाता है।

H-1B वीजा पाने में भारतीय सबसे आगे हैं, जो टेक और हेल्थकेयर सेक्टर में बड़ी संख्या में जॉब कर रहे हैं। अमेरिका में दक्षिणपंथियों का मानना है कि भारतीय वर्कर्स अमेरिकी लोगों की नौकरियां खा रहे हैं और कम सैलरी पर जॉब कर रहे हैं। कैलिफोर्निया के बाद सबसे ज्यादा H-1B वर्कर्स टेक्सास में ही हैं। वीजा प्रोग्राम के विरोधियों का कहना है कि H-1B खत्म होना चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में जॉब मिल पाए। यही वजह है कि H-1B वर्कर्स हमेशा निशाने पर रहते हैं।

पीवी सिंधु को जिंदगी भर रहेगा इस बात का मलाल, इस बात से हुई थीं प्रभावित

भारत की स्टार बैटमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट ने बताया कि उन्हें इस बात का मलाल है कि वह एनसीपी प्रमुख के कई बार बुलावे के बावजूद बारामती नहीं गईं। बता दें कि जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनावों के बीच, डिप्टी सीएम अजित पवार बुधवार को एक जनसभा में शामिल होने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे। इसी दौरान एक विमान हादसे में उनका निधन हो गया। घटना सुबह करीब 9 बजे हुई। इस हादसे में एनसीपी प्रमुख समेत 5 लोगों की जान चली गई। पीवी सिंधु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "रेस्ट इन पीस, अजित दादा। मुझे आपसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला, और हर बार मैं आपके अनुशासन, आपके काम के प्रति समर्पण और अपने लोगों के प्रति आपके प्यार से प्रभावित हुई। आपने मुझसे अक्सर कहा था, 'मेरे बारामती आओ।' मैं सोचती रही कि कभी समय मिलेगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे इस तरह से न आने का पछतावा होगा।"

T20 वर्ल्डकप में अगर भारत के खिलाफ नहीं खेला पाकिस्तान, तो लगेगा 300 करोड़ से ज्यादा का झटका!

इमर्जिंग एशिया कप की हार बदला लेने उतरेंगे वैभव सूर्यवंशी

अंडर-19 वर्ल्ड कप के सुपर-6 के पहले मैच में भारत जिम्बाब्वे के खिलाफ 204 रन से बड़ी जीत दर्ज करते पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गया है। अब भारत की सुपर-6 में दूसरी भिड़ंत 1 फरवरी को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगी। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली टीम इंडिया इस मैच को जीतकर पाकिस्तान से इमर्जिंग एशिया कप के फाइनल का बदला लेना चाहेगी। ऐसे में सभी फैंस की नजर 14 वर्षीय स्टार ओपनर वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी, जिनसे एक बार फिर तूफानी पारी की उम्मीद होगी। इस महामुकाबले को आप कब कहां लाइव देख सकते हैं आइये जानें। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला इसी रविवार यानी 1 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार, दोपहर एक बजे से शुरू होगा। इससे आधा घंटे पहले दोनों टीमों के कप्तान टॉस के लिए मैदान पर उतरेंगे और अपनी-अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा भी करेंगे। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। इस मैदान पर इस टूर्नामेंट में पहले ही कई मैच हो चुके हैं, जिसमें भारत की तीन जीत भी शामिल हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच की लाइव स्ट्रीमिंग आप JioHotstar ऐप और वेबसाइट पर देख सकते हैं। इसके साथ मैच का लाइव प्रसारण आप स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के विभिन्न चैनल्स पर देख पाएंगे।

अजित पवार को लेकर खबरों पर सचिन तेंदुलकर भावुक

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार को सुबह बारामती में प्लेन क्रैश में निधन हो गया। प्लेन में उनके अलावा 4 लोग और सवार थे, जिनकी इस दुर्घटना में मौत हो गई। अजित पवार के निधन के बाद सिर्फ राजनीतिक वर्ग से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की तरफ से शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर और अजिंक्य रहाणे जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, "अजित पवार के अचानक निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। महाराष्ट्र ने एक समर्पित नेता खो दिया है, ओम शांति।" अजिंक्य रहाणे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा, "महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार दादा के दुखद निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।" अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में से एक थे। उनके निधन से राज्य और देश की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है। अजित पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के देवलाली प्रवरा में हुआ था। अपने चाचा और एनसीपी प्रमुख शरद पवार की उंगली पकड़कर वह राजनीति में आए थे। अजित पवार शरद पवार के बड़े भाई अनंतराव पवार के बेटे थे। उन्होंने बारामती के महाराष्ट्र एजुकेशन सोसायटी हाई स्कूल से शुरुआती पढ़ाई की। कॉलेज के दिनों में उनके पिता का निधन हो गया, जिसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और पूरी तरह राजनीति की ओर रुख किया।

फॉर्म में लौटे सूर्यकुमार, T20 रैंकिंग में लंबी छलांग

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले टीम इंडिया के टी20 कप्तान को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बुधवार को आईसीसी द्वारा जारी टी20 फॉर्मेट के बल्लेबाजों की रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैचों में खेली गई दो अर्धशतकीय पारियों के दम पर सूर्यकुमार यादव की एंट्री शीर्ष दस बल्लेबाजों में हो गई है।

फॉर्म में लौट चुके हैं सूर्या

साल 2025 में बतौर बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और एक भी अर्धशतक लगाने में असफल रहे सूर्यकुमार यादव टी20 के शीर्ष दस बल्लेबाजों की रैंकिंग से बाहर हो गए थे। हालांकि, 2026 की शुरुआत भारतीय कप्तान के लिए बेहतरीन रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहले तीन मैचों में दो अर्धशतकों की बदौलत उन्होंने 171 रन बनाए हैं। पिछले दोनों मैचों में वह नाबाद रहे हैं।

उनका सर्वाधिक स्कोर 82 रन रहा है। तीन मैचों में किए गए दमदार प्रदर्शन की बदौलत सूर्यकुमार यादव ने पांच स्थान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। टॉप 10 बल्लेबाजों की रैंकिंग पर नजर डालें तो भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे, भारत के तिलक वर्मा तीसरे, इंग्लैंड के जोस बटलर चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान पांचवें नंबर पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका छठे, भारत के सूर्यकुमार यादव सातवें, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड आठवें, ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट दसवें स्थान पर हैं। हेड, मार्श और सिफर्ट को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है।

2026 में दुनिया खत्म होने संबंधी कई मीम्स और रील्स वायरल

प्रलय का डर या अफवाहों का शोर?

नए साल 2026 के साथ ही दुनिया के अंत की चर्चाएं फिर तेज हो गई हैं. सोशल मीडिया पर वायरल दावों की जड़ 1960 में वैज्ञानिक हेंज वॉन फोस्टर की भविष्यवाणी और 'डूम्सडे क्लॉक' से जुड़ी आशंकाएं हैं, हालांकि ये चेतावनियां प्रतीकात्मक हैं, न कि तय प्रलय की घोषणा.

चारों तरफ नए साल का जश्न मनाया जा रहा है. 2026 का आगमन हो चुका है. ऐसे में 2025 में पूरे साल ये चर्चा होती रही कि 2026 में तो दुनिया ही खत्म हो जाएगी. इस पर सोशल मीडिया पर कई मीम्स और रील्स भी वायरल हुए. क्या सच में क्या 2026 में प्रलय आ जाएगी? क्या इसी साल कयामत का दिन आने वाला है.द प्रोविंस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, हेंज वॉन फोस्टर नाम के 1960 में एक भविष्यवाणी की थी कि 2026 में दुनिया खत्म हो जाएगी. अब सवाल उठता है कि 1960 में 2026 को लेकर क्या भविष्यवाणी की गई थी. क्या उस भविष्यवाणी में दुनिया के अंत को लेकर कोई समय या तिथि की भी घोषणा की गई थी? टाइम मैगजीन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भौतिक विज्ञानी हेंज वॉन फोस्टर , जिनका 2002 में निधन हो गया, उन्होंने 1960 में "साइंस" नामक पत्रिका में दावा किया था कि दुनिया 2020 के दशक में कभी भी समाप्त हो सकती है. हेंज वॉन फोस्टर ने दावा किया था कि 13 नवंबर, 2026 को दुनिया का अंत हो जाएगा. उन्होंने 1960 में "साइंस" नामक पत्रिका में दावे करते हुए इस विशेष दिन की भविष्यवाणी की थी.

दुल्हन की सहेलियों ने भी लिए 7 फेरे!

अक्सर ही सोशल मीडिया पर शादियों से जुड़ी इमोशनल या दुल्हा- दुल्हन के झगड़े की वीडियो तेजी से वायरल होती हैं. लेकिन हाल के समय में वायरल हो रही वीडियो लोगों को खूब हंसा रहा है. इस वीडियो को देखने के बाद हर कोई खूब हंस रहा है. इस वीडियो में देखा जा रहा है कि किस तरह दुल्हन की सहेलियां उसके लिए ओवर-केयरिंग हैं, जो माहौल को बदल देता है और हंसी में बदल देता है.

1.7 करोड़ कर्ज लिए, देने पड़ रहे 146 करोड़

सिंगापुर से सामने आई एक कर्ज की कहानी ने लोगों को हैरान कर दिया है. यहां एक व्यक्ति ने एक लाइसेंस प्राप्त मनीलेंडिंग कंपनी से दो लाख पचास हजार सिंगापुर डॉलर (करीब 1.7 करोड़ रुपए) उधार लिए थे, लेकिन ऊंची ब्याज दरों, लेट फीस और पेनल्टी के चलते उसकी देनदारी बढ़कर लगभग इक्कीस मिलियन सिंगापुर डॉलर (करीब 146 करोड़ रुपए) तक पहुंच गई. हालात ऐसे बने कि कर्ज के दबाव में उसे अपना घर तक बेचना पड़ा. द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कर्ज 2010 से 2011 के बीच लिया गया था. मनीलेंडिंग कंपनी ने इस पर चार प्रतिशत प्रति माह की ब्याज दर लगाई. इतना ही नहीं, समय पर भुगतान न होने की स्थिति में आठ प्रतिशत प्रति माह की अतिरिक्त लेट पेमेंट ब्याज भी वसूली जाती थी. इसके अलावा हर महीने ढाई हजार सिंगापुर डॉलर की लेट पेमेंट प्रोसेसिंग फीस भी जोड़ी जाती रही.

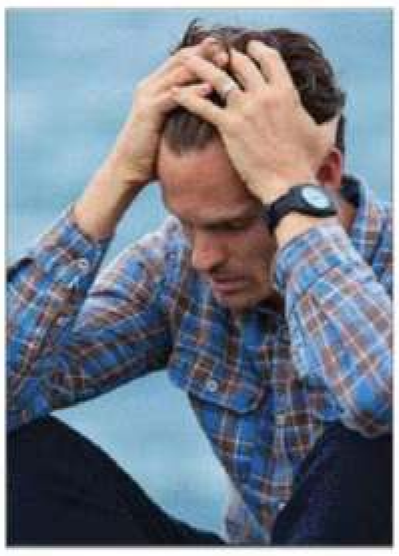

महिला ने शौकिया कराई थी जांच

DNA टेस्ट में सौतला पिता ही निकला असली

एक महिला अचानक डीएनए टेस्ट कराने के बाद अपने पिता के बारे में एक चौंकाने वाली सच्चाई जानकर दंग रह गई. उसने बताया कि कैसे उसके पति ने अपने डीएनए के नतीजे आने के बाद उसे भी टेस्ट कराने के लिए प्रेरित किया.

इसके बाद महिला ने भी बिना किसी उद्देश्य के शौकिया डीएनए टेस्ट करवा लिया. फिर उसके मन में अपने डीएनए इतिहास के बारे में जानने की जिज्ञासा पैदा हुई. मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला के जिंदगी में उसके पिता की भूमिका हमेशा से संदेहास्पद रही थी. पिता की भूमिका को लेकर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लेकर वह बड़ी हुई थी. उसने रेडिट पर कहा कि मुझे और मेरे दो बड़े भाई-बहनों को हमारे नाना-नानी ने बचपन में ही गोद ले लिया था. जब मेरी मां ने हमें जन्म दिया था तब वह बहुत कम उम्र की थीं. मेरी मां हमेशा हमारे जीवन में आती-जाती रही हैं, लेकिन वह स्थायी रूप से हमारे साथ कभी नहीं रहीं. क्योंकि वह नशे की लत से पीड़ित रही हैं और जेल भी गई हैं. बचपन में हम तीन भाई-बहन थे और मुझे छोटी उम्र से ही पता था कि मेरे दो बड़े भाई-बहनों के पिता मेरे पिता नहीं हैं.

इसलिए वे मेरे साथ अलग तरह का व्यवहार करते थे और हमेशा मुझे यह जताते रहते थे कि मैं उनकी सौतेली बहन हूं.उसे बताया गया था कि उसके पिता एक "बड़े व्यक्ति" थे और वहीं मेरी परवरिश के लिए पैसे देते थे.

6 साल की मासूम के साथ हुए रेप पर भूमि पेडनेकर भड़कीं

दिल्ली में छह साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत ने पूरे देश को हिला दिया है। इसी दर्दनाक घटना पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का गुस्सा भी फूट पड़ा है। भजनपुरा इलाके में 10, 13 और 14 साल के तीन नाबालिग लड़कों द्वारा किए गए इस घिनौने अपराध पर भूमि ने न सिर्फ कड़ी प्रतिक्रिया दी, बल्कि सिस्टम और समाज की बार-बार होती नाकामी पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा, "हम इन हैवानों में डर ही नहीं भर पाए", और यह बात सबसे ज्यादा डरावना है कि अपराधी अब भी जवाबदेही से बचने की उम्मीद रखते हैं, जो हमारी नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था की गहरी गिरावट को उजागर करता है। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम पर अपना गहरा दुख और गुस्सा जताया। उन्होंने इस केस से जुड़ी एक न्यूज रिपोर्ट को दोबारा शेयर किया और कहा कि समाज और सिस्टम बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने में बार-बार फेल हो रहा है।

भूमि ने लिखा कि ये सबसे डराने वाली बात है कि अपराधी अब भी सोचते हैं कि वे यौन हिंसा करके भी बच सकते हैं। उनके मुताबिक, यह हमारी नैतिकता और सिस्टम दोनों की कमजोरी को दिखाता है।

एक्ट्रेस ने कहा, "क्या हो रहा है हमारे देश में? हम इन हैवानों में डर पैदा करने में नाकाम रहे हैं, इसलिए ये सोचते हैं कि वे यौन अपराध से बच निकलेंगे। कम उम्र के बच्चों को इतनी घिनौनी हरकत करते देखना मेरा दिल तोड़ देता है। सोचिए, वे किस माहौल में पल रहे होंगे!"

भूमि ने यह बात भी कही कि आरोपी खुद नाबालिग हैं और इतनी छोटी उम्र के लड़कों को ऐसे अपराध में शामिल देखना बेहद डरावना है। हम अपने देश में बेजुबान जानवरों को सजा दे रहे हैं, उन्हें खतरा बताकर लोगों में डर फैला रहे हैं, लेकिन असली मुद्दा ये है कि हमारी सड़कों पर 6 साल का बच्चा भी सुरक्षित नहीं है। सच तो ये है कि कोई भी बच्चा सुरक्षित नहीं है। क्योंकि कई बार अपराधी भी खुद किसी न किसी तरह से पीड़ित होते हैं। जागो इंडिया!

मामले पर क्या कहना है अधिकारियों का

अधिकारियों के मुताबिक, दो आरोपी नाबालिगों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि तीसरा लड़का और उसका परिवार फिलहाल फरार है। अधिकारियों ने उन्हें ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, और केस की जांच अभी भी चल रही है।

दिल्ली मेट्रो अब मयूर विहार फेज-3 से शास्त्री पार्क तक
कनेक्ट होंगी पिंक, ब्लू और रेड लाइन

दिल्ली मेट्रो पूर्वी दिल्ली को जोड़ने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है। मयूर विहार फेज-3 से शास्त्री पार्क तक 13.19 किलोमीटर का नया मेट्रो कॉरिडोर बनेगा।

नई दिल्ली: दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) वर्तमान में मेट्रो फेज-4 कॉरिडोर पर काम कर रही है। साथ ही घर से 500-800 मीटर की दूरी पर मेट्रो की कनेक्टविटी योजना के तहत भी काम कर रही है। उसी के तहत फेज-5ए में तीन छोटे-छोटे कॉरिडोर तैयार किए गए हैं, जिसकी मंजूरी मिल चुकी है। अब मेट्रो फेज-5बी के लिए पूर्वी दिल्ली के घनी आबादी वाले अंदरूनी इलाकों को भी कनेक्ट करने के लिए 13.19 किलोमीटर के नए कॉरिडोर की योजना भी बना ली है।

दिल्ली सरकार को मंजूरी के लिए भेज दिया डीपीआर

जानकारी के मुताबिक दिल्ली मेट्रो ने फेज-5बी में मयूर विहार फेज-3 से शास्त्री पार्क मेट्रो स्टेशन तक के 13.19 किलोमीटर का कॉरिडोर तैयार किया है। इस कॉरिडोर के बनने से तीन कॉरिडोर पिंक, ब्लू और रेड लाइन कॉरिडोर आपस में कनेक्ट हो जाएंगे। मेट्रो ने इसका डीपीआर तैयार करके अक्टूबर 2025 में केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय और दिल्ली सरकार को मंजूरी के लिए भेज दिया है।केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। डीपीआर के मुताबिक इस कॉरिडोर के बनने से रोजाना सड़कों से हजारों गाड़ियों को कम किया जा सकेगा। वर्तमान में अगर मयूर विहार फेज-2, 3, पांडव नगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर या त्रिलोकपुरी से भी किसी को कश्मीरी गेट बस अड्डे जाना है तो उसे पहले ब्लू लाइन या पिंक लाइन पकड़कर वेलकम मेट्रो स्टेशन जाना पड़ता है। फिर वहां से रेड लाइन से मेट्रो लेकर आगे जाना होता है। मगर अब लोगों को वेलकम तक घूमने की बजाय सीधे इस नए कॉरिडोर से शास्त्री पार्क जा सकते है। उसके बाद रेड लाइन से शास्त्री पार्क से अगला स्टेशन ही कश्मीरी गेट है। वर्तमान में पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर, गीता कॉलोनी, गांधी नगर और मदर डेयरी के आस-पास की घनी आबादी वाले इलाकों में सीधे मेट्रो की कोई कनेक्टविटी नहीं है। मेट्रो फेज-5 में पूरे दिल्ली-एनसीआर में डीएमआरसी का प्लान 18 नए मेट्रो कॉरिडोर बनाने का है। डीएमआरसी उस ग्लोबल स्टैंडर्ड को ध्यान में रखते हुए आगे की प्लानिंग कर रही है, जिसमें हर शख्स को घर के 400 से 500 मीटर के दायरे में ही कोई मेट्रो स्टेशन मिल जाए। साथ ही नेटवर्क की सभी लाइनें एक दूसरे से इस तरह जुड़ी हो, जिससे शहर के किसी भी एक इलाके से दूसरे इलाके में आसानी से पहुंचा जा सके। फेज-5 के पहले चरण के 3 प्राथमिक कॉरिडोर को पहले ही सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। अब दूसरे चरण के 18 कॉरिडोर्स की मंजूरी लेने के लिए काम चल रहा है।

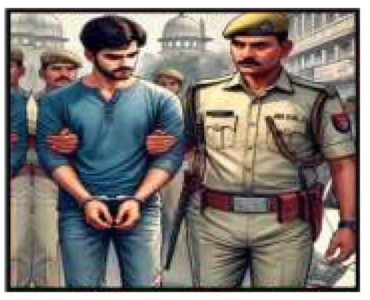

नामवाड़ा वाले सुमित-राजीव ने रिटायर सैन्य अधिकारी के साथ कर दिया बड़ा कांड

दिल्ली पुलिस ने गैस कंपनी का प्रतिनिधि बनकर सेना के 61 वर्षीय रियायर्ड अधिकारी से 90,000 रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित को बहकाकर उनके मोबाइल फोन पर कथित तौर पर एक हानिकारक एपीके फाइल इंस्टॉल करवाई, जिससे उन्हें पीड़ित के बैंक खाते से संबंधित जानकारियां मिल गईं।

अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्की मंडल उर्फ विक्की (22), सुमित कुमार सिंह (26) और राजीव कुमार मंडल (22) के रूप में हुई है। मामले की जांच कर रहे जांचकर्ताओं के अनुसार, आरोपियों ने खुद को गैस कंपनी का प्रतिनिधि बताया और धोखे से पीड़ित से एक ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करवाया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारियां हासिल कर लीं और उनका इस्तेमाल कर अवैध लेन-देन किया। अधिकारियों ने बताया कि अपराध शाखा ने घटना के सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने कहा, "तकनीकी विश्लेषण से संकेत मिलता है कि आरोपियों ने अलग-अलग मोबाइल फोन और सिम कार्ड के माध्यम से संगठित और समन्वित तरीके से साइबर धोखाधड़ी की।"

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा ये पीड़ादायक और स्तब्ध कर देने वाला

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी सुप्रीमो अजित पवार की बुधवार को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत हो गई। अजित पवार, जिला पंचायत चुनावों के सिलसिले में बारामती जा रहे थे। बारामती में लैंडिंग से पहले विमान के निचले हिस्से में आग लग गई और इमरजेंसी लैंडिंग पड़ी लेकिन प्लेन क्रैश हो गया। हादसे में अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इसी बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी एक्स पर ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार जी के एक दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में असामयिक निधन की खबर अत्यंत पीड़ादायक एवं स्तब्ध कर देने वाली है। उनका जाना भारतीय राजनीति विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए, एक अपूरणीय क्षति है। सीएम गुप्ता ने आगे लिखा कि शोकाकुल परिवारजनों एवं उनके समर्थकों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करती हूँ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति और संबल प्रदान करें। ॐ शांति। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर पीएम मोदी ने कहा कि श्री अजीत पवार जी जनता के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था।

50 फीसदी ट्रांसजेंडर्स की आज भी परिवार से दूरी, 10% से भी कम के साथ खड़ा होता है परिवार

नई दिल्ली: एम्स दिल्ली के डॉक्टरों ने साफ किया है कि ट्रांसजेंडर समाज और परिवार का ही हिस्सा है। एम्स के मुताबिक, हर स्तर पर हैरेसमेंट का सामना करने वाले इन लोगों को कई बार अपने परिवार तक से सपोर्ट नहीं मिल पाता। पहले 10 पर्सेंट से भी कम ट्रांसजेंडरों के साथ परिवार खड़ा होता था, लेकिन अब इसमें कुछ सुधार हुआ है। परिवार का सपोर्ट बढ़कर 40 से 50 पर्सेंट तक पहुंच गया है। इसके बावजूद करीब 50 पर्सेंट ट्रांसजेंडर आज भी परिवार के सहयोग से दूर है और घर से बाहर जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एम्स ने सोच से लेकर शारीरिक बदलाव तक के इलाज की जिम्मेदारी ली है। मंगलवार को ट्रांसजेंडरों की मेडिकल कॉन्फ्रेंस की केयर को लेकर एम्स में प्रेस गई। एम्स में साल 2021 में ट्रांसजेंडर क्लिनिक की शुरुआत की गई थी।

दिल्ली के करियप्पा ग्राउंड में पीएम मोदी ने अजित पवार को ऐसे किया याद

पीएम नरेंद्र मोदी ने एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री यहां करिय्पा ग्राउंड में आयोजित एनसीसी रैली में शामिल हुए। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विमान हादसे का जिक्र करते हुए अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि दुखद विमान हादसे में अजित पवार समेत कुछ लोगों की मौत की बात कही। इसके साथ ही पीएम ने महाराष्ट्र और देश के विकास में अजित पवार के योगदान का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि अजित दादा ने महाराष्ट्र और देश के विकास में अपना बड़ा योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से गांवों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने हमेशा आगे बढ़कर काम किया।

IIT दिल्ली के पूर्व छात्रों ने कर डाला कमाल, कॉलेज के लिए जुटा लिए 477 करोड़ रुपए

आईआईटी दिल्ली ने अपने पुराने स्टूडेंट्स की मदद से 477 करोड़ रुपये का एनडाउमेंट फंड तैयार कर लिया है। इसमें से 338 करोड़ रुपये मिल चुके है। आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर प्रो रंगन बनर्जी ने बताया कि 1966 हजार अल्मनाई है। में इंस्टिट्यूट 150 स्टूडेंट्स से शुरू हुआ और आज 65 इस वक्त 60% फंड सरकार से मिल रहा है और बाकी 40% इंस्टिट्यूट खुद और अल्मनाई की मदद से इकट्ठा कर रही है। मंगलवार को आईआईटी दिल्ली ने फाउंडेशन डे पर अल्मनाई सपोर्ट रिपोर्ट जारी की। यह देश का पहला आईआईटी है, जिसने सबसे पहले यह रिपोर्ट निकाली है।

आगे चलकर दुनिया भर में प्रभाव डालते हैं आईआईटी स्टूडेंट्स

प्रो बनर्जी ने कहा कि आईआईटी दिल्ली के कई स्टूडेंट्स आगे चलकर दुनिया भर में प्रभाव डालते हैं। इसी सोच के साथ यह 'इम्पैक्ट डॉक्यूमेंट' तैयार किया गया है। फाउंडेशन डे पर 'अल्युमनी इम्पैक्ट रिपोर्ट' लॉन्च के समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आईआईटी दिल्ली के पूर्व स्टूडेंट डॉ. गुरतेज एस. संधू (माइक्रोन टेक्नॉलजी के प्रमुख फेलो और कॉर्पोरेट वाइस प्रेजिडेंट) ने कहा, पूर्व स्टूडेंट्स को हमेशा अगली पीढ़ी के स्टूडेंट्स के लिए रोल मॉडल के तौर पर देखा जाता है।

अपर्णा यादव तलाक विवाद: सुलह वाले वीडियो में प्रतीक से हुई बड़ी चूक

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव और उनके पति प्रतीक यादव के बीच तलाक विवाद सुलझ गया है। हालांकि इस तलाक विवाद के ठीक होने की जानकारी भी विवादों में घिर गई है। प्रतीक यादव का एक विवाद वीडियो भी सामने आया, जिसमें वो जलनखोरों को भाड़ में जाने के लिए कह रहे है। साथ ही वीडियो में गाली यानि अभद्र भाषा का इस्तेमाल प्रतीत हो रहा है। इससे पहले प्रतीक यादव ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पत्नी अपर्णा यादव के लिए 'ए फैमिली डिस्ट्रॉयर' लिखा था। प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव के साथ फोटो पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। वहीं इस मामले पर प्रतीक यादव का एक वीडियो बयान भी सामने आ गया है। अपने बयान में प्रतीक यादव ने विरोधियों पर निशाना साधा है। प्रतीक यादव ने दो टूक में कहा कि हमारे साथ आने से जो परेशान हैं, वो लोग भाड़ में जाए।

जलनखोरों पर प्रतीक यादव का हमला

प्रतीक यादव ने इंस्टाग्राम पर बुधवार शाम को एक बार फिर पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'जलनखोरों मुझे खुशी है कि तुम जैसे लोगों के दिल में इतनी नफरत है। तुम्हारा जीवन इतनी नफरत के कारण तकलीफों से

भरा पड़ा है। दरअसल समाजवादी पार्टी के संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने बीते दिनों पत्नी से विवाद को लेकर पोस्ट किए थे। इसमें प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव पर अति गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा था। प्रतीक यादव के एक के बाद एक दो पोस्ट करने के बाद से तलाक को लेकर चर्चा चलने लगी थी। प्रतीक यादव ने पोस्ट में ऐलान किया था कि जल्द ही इस महिला (अपर्णा यादव) से तलाक लेने वाला हूं। मुझे परिवार से अलग कर दिया। ये सिर्फ फेमस होना चाहती है। वहीं बुधवार को एक पोस्ट के जरिए प्रतीक यादव ने लिखा, ऑल इज गुड। इसके साथ ही पत्नी अपर्णा यादव के साथ रिश्ते सुधरने का ऐलान किया। मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव ने अपने वीडियो बयान के जरिए बताया कि 19 जनवरी 2026 को मेरे और मेरी पत्नी के बीच एक बहुत भयानक विवाद हो गया था, जिसके कारण मैंने दो पोस्ट डाले थे। प्रतीक यादव ने कहा कि हम दोनों ने मिलकर विवाद को सुलझा लिया है, खत्म कर लिया है। इतना ही नहीं, इस वीडियो बयान के जरिये प्रतीक यादव ने अपने विरोधियों को गंदी गाली देते हुए कहा कि जिन लोगों को इस विवाद के सुलझने या हमारे साथ आने से दिक्कत हो रही है, वो सबके सब भाड़ में जाए।

शीशे के गलियारे में एक साथ 25 से 30 लोग कर सकेंगे चहलकदमी।

आसमान से देखेंगे दिव्य काशी का नजारा, बाबा भोले की नगरी में स्काई वॉक का होगा निर्माण

उत्तर प्रदेश के पौराणिक शहर काशी के कायाकल्प अध्याय में एक और नया पन्ना जुड़ने वाला है। यहां दो ऊंची इमारतों यानी ट्विन टावर और दोनों इमारतों के बीच ग्लास का गलियारा यानी स्काई वॉक बनेगा। यह किसी इमारत में बनने वाला प्रदेश का पहला स्काई वॉक होगा। 100 फुट से ज्यादा ऊंचाई पर ग्लास के बेस वाले गलियारे में चहलकदमी करने पर आसमान में चलने का अहसास होगा तो यहां से पुरानी और नई काशी का अद्भुत नजारा देखा जा सकेगा। इसके लिए योजना को हरी झंडी दे दी गई है। काशी नगरी के वरुणापार इलाके में स्थित कमिश्नरी कैंपस में ट्विन टावर और स्काई वॉक बनाने का प्लान है। इसे योगी सरकार ने मंजूरी दे दी है। निर्माण के लिए कंपनी भी तय हो गई है। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता वाली समिति ने पीपीपी मॉडल (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) पर बनने वाले ट्विन टावर के निर्माण का जिम्मा गुरुग्राम की प्रॉम्प्ट कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सौंपा है। यह कंपनी कमिश्नर कार्यालय कंपाउंड के 6.50 एकड़ एरिया में 10-10 मंजिले दो टावर बनाएगी। वाराणसी में ट्विन टावर और स्काई वॉक के निर्माण की योजना पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। ट्विन टावर का बाहरी हिस्सा काशी विश्वनाथ मंदिर की आकृति में होगा। वहीं, स्काई वॉक डमरू जैसा दिखेगा। दोनों टावरों के बेसमेंट में ट्विन लेवल 450 से अधिक वाहनों के पार्किंग की सुविधा रहेगा। शीशे के गलियारे में एक साथ 25 से 30 लोग चहलकदमी कर सकेंगे। यह स्काई वॉक अपने आप में खास होगा। यहां से दूरबीन की मदद से शहर के अहम स्थलों को ऊंचाई से देखा जा सकेगा। ट्विन टावर में कैंटीन, कैफेटेरिया, कॉन्फ्रेंस हॉल और कॉमन मीटिंग रूम जैसी सुविधाएं होंगी। एक टावर में 59 सरकारी को शिफ्ट कराने की योजना है।

ट्विन टावर और स्काई वॉक के निर्माण पर करीब 300 करोड़ की लागत आने का अनुमान है। दो साल में भवन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक इमारत में कमिश्नरी के 57 सरकारी विभागों के कार्यालय होंगे। वहीं, दूसरे टावर का उपयोग निर्माण कराने वाली कंपनी व्यावसायिक कार्यों के लिए करेगी। यानी, दूसरे टावर में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के अलावा होटल, रेस्तरां और मॉल खुलेगा।

महाठग की तीन कंपनियां और दो संपत्तियां मिलीं, एसआईटी कर रही जांच

निवेश के नाम पर करीब 700 लोगों से 1500 करोड़ की ठगी के आरोपी रविंद्रनाथ सोनी की तीन और कंपनियां व दो संपत्तियों का पता चला है। पुलिस और एसआईटी ने इनकी जांच शुरू कर दी है। कंपनी में एडमिन की भूमिका में रही दिव्या रजतानी को पूछताछ के लिए शहर बुलाया गया है। उसने कंपनी, सोनी और अन्य सहयोगियों के बारे में कई अहम जानकारियां दी हैं। पुलिस की ओर से जल्द ही कई सहयोगियों को नोटिस भेजा जा सकता है। कोतवाली पुलिस ने 42.29 लाख की ठगी के इनामी आरोपी दिल्ली के मालवीयनगर निवासी रविंद्रनाथ सोनी को देहरादून से गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में भारत, यूएई, दुबई, जापानी समेत कई देशों के 700 से अधिक लोगों से करीब 1500 की ठगी करने की जानकारी हुई। पुलिस ने उसका रिमांड लेकर संपत्तियों, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य दस्तावेज बरामद किए। पिछले दिनों कोर्ट के आदेश पर मोबाइल फोन के डेटा हासिल हुआ। पुलिस को उसमें 11 कंपनियों के अलावा तीन और कंपनियों की जानकारी हुई। इन कंपनियों की और डिटेल जुटाई जा रही है। साथ ही रविंद्रनाथ सोनी की दिल्ली और देहरादून में दो संपत्तियों का पता चला है। पुलिस इसकी और जानकारी हासिल कर रही है। एडीसीपी क्राइम अंजलि विश्वकर्मा ने बताया कि रविंद्रनाथ सोनी की कंपनी में गुरनीत कौर के अलावा दिव्या रजतानी एडमिन की भूमिका में थी। यह भी दुबई में रह रही है। उसे पूछताछ और बयान के लिए बुलाया गया है। दिव्या रजतानी से कई सबूत मिलने की उम्मीद हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक तीनों कंपनियां ऑनलाइन वस्तुओं का कारोबार कर रही थीं। यह किस तरह से संचालित हो रही थी, इसका पता लगाया जा रहा है। अब तक इन कंपनियों के बारे में किसी भी शिकायतकर्ता ने कोई जानकारी नहीं दी है। संभव है कि इनके माध्यम से देश में कारोबार करने की तैयारी हो। रविंद्रनाथ सोनी के साथ नाम आए एक सेलिब्रिटी और दो अन्य को नोटिस भेजा गया है। पुलिस और एसआईटी ने उन्हें ईमेल कर जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है। इस मामले में आयकर विभाग भी जांच में जुट गई है। उसने कोतवाली पुलिस और एसआईटी से कई साक्ष्य लिए हैं।

मुक्त व्यापार समझौते से ईयू के साथ 22% निर्यात बढ़ने की संभावना, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव भी होगा कम

यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए। इससे शहर के निर्यात में 20-22 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी होने की संभावना जताई गई है। चमड़ा और इससे बने उत्पादों के अलावा टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, हैंडीक्राफ्ट कारोबार में नया बूम देखने को मिलेगा। चमड़ा और इससे बने उत्पादों पर टैरिफ शून्य किया गया है। अभी तक अलग-अलग उत्पादों पर 4.5 से लेकर 17 प्रतिशत तक टैरिफ लगता था। शहर से यूरोपीय यूनियन को सालाना 3600 करोड़ का निर्यात किया जा रहा है।

शहर के निर्यात में यूरोपीय यूनियन की सबसे बड़ी और अहम भागीदारी है। निर्यातकों और निर्यातक संगठन का कहना है कि ऐतिहासिक एफटीए से अमेरिकी के भारी-भरकम टैरिफ का दबाव कम होगा। अमेरिका के बाद यूरोपीय यूनियन समूह में सबसे बड़ा बाजार है। 27 देशों के साथ कारोबारी गतिविधियां बढ़ेंगी। अभी 12-13 देशों के साथ ही ज्यादा कारोबार होता था। इसके अलावा जर्मनी, इटली से नई-नई तकनीक आ सकेंगी। ये हर उद्योग जगत के लिए संजीवनी से कम नहीं होगा। इस साल की शुरूआत में शहर ने निर्यात के मोर्चे पर नया मुकाम हासिल किया था।

दक्षिण के मोहल्लों में रहेगी पानी की किल्लत, आठ फरवरी तक चलेगा मरम्मत का काम, यहां होगी जलापूर्ति

कानपुर में गंगा बैराज से दक्षिण क्षेत्र की तरफ बुधवार से 12 दिन तक पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इस वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जलनिगम नगरीय के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि पूर्व में बिछाई गई पाइपलाइन से नई पाइप लाइन को साकेतनगर मछली मंडी, दक्षिण द्वार बारादेवी, पराग डेयरी के सामने दीप टॉकीज तिराहा, निरालानगर पंपिंग स्टेशन के पास जोड़ा जाना है।

इस वजह से मुख्य फीडर मेन लाइन 28 जनवरी से आठ फरवरी तक आपूर्ति प्रभावित रहेगी। बर्रा दो, कर्रही, खाड़ेपुर, नौबस्ता, बाबूपुरवा, नयापुरवा, ट्रांसपोर्टनगर, किदवईनगर, निरालानगर, गोविंदनगर सहित अन्य मोहल्लों में पानी नहीं पहुंचेगा।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान सत्य

सनातन धर्म पर उत्तर प्रदेश प्रशासन का खुला हमला

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद किसी परिचय का मोहताज नहीं जो उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगने की जरूरत पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि शंकराचार्य के इस अपमान से देश भर के सनातनियों के हृदय में आक्रोश की ज्वाला धधक रही है।

ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान सत्य सनातन धर्म पर उत्तर प्रदेश प्रशासन का खुला हमला - बी एन तिवारी अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने प्रयागराज माघ मेले में जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज और उनके शिष्यों - बटुकों के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा अपमानजनक व्यवहार की कड़ी आलोचना करते हुए इसे सत्य सनातन धर्म पर उत्तर प्रदेश प्रशासन का खुला हमला बताया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य का विषय है कि एक संत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में जगतगुरू शंकराचार्य के साथ उन्हीं का पुलिस प्रशासन घोर अपमान करता है और योगी आदित्यनाथ सरकार दोषी पुलिस के विरुद्ध उचित कदम न उठाकर दोषी पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि हिन्दू महासभा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषी पुलिस कर्मियों को दंडित करते हुए अपनी इस त्रुटि को सुधारने का परामर्श दिया है। यह जानकारी आज जारी बयान में हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने दी। बी एन तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी ने अपने परामर्श में कहा कि जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से पुलिस द्वारा शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगना अनुचित और सत्य सनातन धर्म की परंपरा के विपरीत है। किसी के भी शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगने का अधिकार केवल भगवान आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चारो पीठ के शंकरायों और उनकी पीठ को है।

वैसे भी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद किसी परिचय का मोहताज नहीं जो उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगने की जरूरत पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि शंकराचार्य के इस अपमान से देश भर के सनातनियों के हृदय में आक्रोश की ज्वाला धधक रही है। यदि समय रहते योगी सरकार ने अपनी इस त्रुटि को नहीं सुधारा तो उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में धर्म निरपेक्ष मुस्लिम परस्त राजनीतिक दल इस विषय का राजनीतीकरण करते हुए लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। ऐसा होने पर भाजपा को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने कहा कि हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री महामंडलेश्वर ललितानंद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी श्यामा नंद जी महाराज जी महाराज और राष्ट्रीय धर्माचार्य प्रमुख महामंडलेश्वर मंगलादास जी महाराज ने भी जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मां गंगा में डुबकी लगाने से रोकने की घटना को संपूर्ण सनातन समाज के अपमान से जोड़ते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को प्रयागराज में गंगा स्नान हेतु सादर आमंत्रित करने का आह्वान किया। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य विजय प्रकाश मानव और राष्ट्रीय मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविन्द्र कुमार द्विवेदी से फोनवार्ता में योगी आदित्यनाथ के शासन की घनानंद के उस शासन से कर दी, जिसमें रहा घनानंद ने चाणक्य का अपमान किया था। चाणक्य ने अपने अपमान का बदला जिस तरह लिया था, उसका संपूर्ण विवरण इतिहास में दर्ज है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार से इतिहास की इस घटना से सबक लेना का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि जगतगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का यह अपमान सनातन समाज किसी भी कीमत परनहीं सहेगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता बी एन तिवारी ने कहा कि प्रयागराज में पुलिस प्रशासन से शंकराचार्य के सम्मान में त्रुटि अवश्य हुई है। योगी आदित्यनाथ ने धर्मसम्मत भारतीय राजनीति के जिस युग का आगाज किया है, वो इस विषम परिस्थिति को बेहतर समझते हैं और इस विषय पर समय रहते धर्मसम्मत निर्णय लेते हुए हिंदुओं के आक्रोश को शांत करने में अवश्य सफल होंगे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ देश के भावी प्रधानमंत्री के रूप में देश की पहली पसंद है और पहली पसंद बने रहने के लिए उन्हें इस विवाद का सर्वमान्य हल निकालना ही होगा।

अखिलेश बोले: शंकराचार्य के साथ जो हुआ वह अनिष्टकारी घटना, भाजपा ने अनादि काल से तोड़ी है सनातनी परंपरा

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। जगद्गुरु शंकराचार्य का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघ मेले को बिना पवित्र स्नान किये छोड़कर जाना अत्यंत अनिष्टकारी घटना है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।अखिलेश ने कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी चाहते तो सत्ता की हनक और अपने अंहकार को त्यागकर अपने कंधों पर उनकी पालकी उठाकर, उन्हें त्रिवेणी-संगम पर पावन स्नान कराकर, उनके मर्माहत सम्मान का मान रख सकते थे। भाजपाइयों को भ्रष्ट साधनों से अर्जित अपनी शक्ति का घमंड है, जो उन्हें ऐसा करने से रोक रहा है। संतों का मन दुखी करके कोई सुख नहीं पा सकता है। भूल करने से बड़ी गलती क्षमा नहीं मांगना है। कोई भी राजनीतिक पद संतों के मान से बड़ा नहीं हो सकता। भाजपा सनातन की भी सगी नहीं है। आज हर सनातनी मन से बेहद दुखी है। धार्मिक अनुष्ठानों में व्यवधान उत्पन्न करने वालों को क्या कहते हैं, ये भाजपाइयों को समझाने की जरूरत है।

69000 शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थी 2 फरवरी से लखनऊ में देंगे धरना, विधानसभा का करेंगे घेराव... परिजन भी होंगे शामिल

69000 शिक्षक भर्ती मामले में एक बार फिर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी 2 फरवरी से लखनऊ में अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि इस प्रकरण पर सरकार कोई पहल नहीं कर रही जिस कारण से मामला लटकता चला जा रहा। इस प्रकारण की पहली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सितंबर माह 2024 में हुई थी। उसके बाद से लगातार तारीख पर तारीख मिल रही है। इस प्रकारण की अगली सुनवाई 4 फरवरी को होगी। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेन्द्र पटेल, धनंजय गुप्ता ने बुधवार को कहा कि इस प्रकरण के निस्तारण के लिए सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। जिसके चलते सुप्रीम कोर्ट से डेट मिल रही। अब हम सभी ने दो फरवरी से आंदोलन करने का फैसला लिया है। आंदोलन की शुरुआत में बनाये गये सभी जिला कोऑर्डिनेटर से ब्लॉक स्तर पर सम्पर्क कर आने वाले अभ्यर्थियों व उनके परिजनों की सूची बनाने को कहा गया है। 31 जनवरी को विधानसभा घेराव का आह्वान किया जाएगा। अमित मौर्य ने कहा कि इस प्रकरण पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, मुख्यमंत्री द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट और लखनऊ हाईकोर्ट डबल बेंच का फैसला सब हमारे पक्ष में है। क्योंकि हम पिछड़े और दलित समाज से आते हैं।

राहुल, सोनिया, प्रियंका समेत 45 के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दाखिल; सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी का आरोप

सरकारी अभिलेखों में हेराफेरी और कूटरचित दस्तावेजों के गंभीर आरोपों के संबंध में पांजा फाउंडेशन ने बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की है। इसमें सांसद राहुल गांधी, पूर्व सांसद सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, सांसद केएल शर्मा समेत 45 लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष बृजेंद्र शरण गांधी और उपाध्यक्ष लाखन सिंह ने इस मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। आरोप पत्र में सरकारी दस्तावेजों की कूट रचना कर एक स्कूल को सीबीएसई बोर्ड से मान्यता दिलाने का आरोप है। शिकायतकर्ताओं ने तत्कालीन तहसीलदार अनिल पाठक के एक पत्र का हवाला देते हुए बताया कि जिस जमीन पर स्कूल बना है, उससे संबंधित लैंड सर्टिफिकेट तहसील से जारी ही नहीं हुआ था। बृजेन्द्र शरण गांधी ने बताया कि इस प्रकरण की शिकायत प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की जा चुकी है। हालांकि, जांच अधिकारियों ने मामले को पुलिस कार्यवाही का विषय बताकर शिकायतों को बंद कर दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट डा. विवेक कुमार ने कोतवाली पुलिस से इस संबंध में आख्या (रिपोर्ट) तलब की है। सीओ अरुण कुमार नौहवार ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। रिपोर्ट आने पर जवाब दिया जाएगा।